Date:- 21-08-2024
Daimik Bhaskar, Page-02, Surat

भास्कर एक्सक्लूसिव 8 साल में आबादी के साथ वाहन भी बढ़े, इसलिए फिर से बनेगा कॉम्प्रेहेंसिव मोबेलिटी प्लान

पब्लिक ट्रांसपोर्ट के सभी साधन इंटीग्रेट होंगे, सर्वे कर तैयार करेंगे 2046 तक की प्लानिंग

- इससे पहले 2016 में बना था कॉम्प्रेहेंसिव मोबेलिटी प्लान

एजाज शेख | सूरत

ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम लागू करने के बाद अब शहर का नए सिरे से कॉम्प्रेहेंसिव मोबेलिटी प्लान (सीएमपी) बनाया जाएगा। जिसके तहत शहर में सभी प्रकार के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को इंटीग्रेटेड करने की प्लानिंग की जाएगी, ताकि सूरतियों को सेफ और सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन उपलब्ध हो सके। इसके लिए मनपा ने एक कंपनी को टेंडर दिया है। यह कंपनी वर्ष 2046 तक शहर की ट्रांसपोर्टेशन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्लान तैयार करेगी। इस प्लान के तहत अंडरपास, ओवरब्रिज, एलीवेटेड रोड व रेलवे ब्रिज का निर्माण तथा मेट्रो एवं बीआरटीएस रूट का विस्तार एवं अन्य कार्य किए जाएंगे। मनपा ने पहली बार 2016 में सीएमपी तैयार किया था। जिसे एलएंडटी कंपनी ने बनाया था। इस प्लान से शहर में मेट्रो, बुलेट और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) प्रोजेक्ट लॉन्च किए गए। पिछले 8 साल में शहर की आबादी और वाहनों की संख्या काफी बढ़ गई है, इसलिए अब नए सिरे से सीएमपी तैयार करने का निर्णय लिया गया है। नया सीएमपी तैयार करने का काम एससिस्टम नामक कंपनी को सौंपा गया है। नए सीएमपी में मेट्रो, बीआरटीएस, सिटी बस, एमएमटीएच और बुलेट को इंटीग्रेटेड किया जाएगा, ताकि कोई व्यक्ति शहर के किसी भी कोने से एक से दूसरे ट्रांसपोर्ट मोड को इंटरचेंज करके यात्रा कर सके। साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मेट्रो रूट, बीआरटीएस रूट, सिटी बस रूट के विस्तार की प्लानिंग की जा सके। उन रूरल एरिया को भी प्लानिंग की जाएगी, जो भविष्य में मनपा सीमा में शामिल हो सकते हैं।

ट्रांसपोर्ट मोड को इंटरचेंज कर शहर के एक कोने से दूसरे कोने तक जा सकेंगे यात्री

प्लान बनाने के लिए ये सर्वे किए जाएंगे

- लोगों का यात्रा पैटर्न
- बस व रेलवे स्टेशन पर यात्री सर्वेक्षण
- पब्लिक ट्रांसपोर्ट के उपलब्ध साधन, उनकी गति, साधन की उपलब्धता समय, यात्रा का समय
- शहर के प्रमुख पब्लिक प्लेस
- औद्योगिक क्षेत्रों में सामान का आवागमन
- पार्किंग फेसेलिटी
- चौराहों-तिराहों, सर्कलों और सड़कों का सर्वे
- घरेलू सर्वेक्षण (प्रश्नावली आधारित)

वर्ष 2046 तक शहर की आबादी सवा करोड़ के पार होने की संभावना

मौजूदा सीएमपी के अनुसार साल 2046 तक सूरत की आबादी सवा करोड़ के पार होने का अनुमान है। जबकि सात साल बाद यानी वर्ष 2031 में आबादी एक करोड़ होगी। सूरत शहर में प्रतिदिन 604 नए वाहन रजिस्टर्ड हो रहे हैं। इस हिसाब से 2046 तक सूरत के मौजूदा वाहनों की संख्या तीन गुना बढ़कर 8.4 मिलियन(84 लाख) हो जाएगी। इसलिए अभी से सड़कों के विस्तार और लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट की ओर आकर्षित करने की योजना बनानी होगी।

पार्किंग बढ़ाने के लिए भी सर्वे किया जाएगा, जगह चिन्हित की जाएंगी

सूरत में आबादी और वाहनों की संख्या बढ़ने पर सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की होगी। अभी से यह समस्या बढ़ गई है। भविष्य में यह और विकराल हो सकती है, इसलिए अभी से नए पार्किंग स्थल पर बनाने होंगे। कॉम्प्रेहेंसिव मोबेलिटी प्लान के तहत अवश्यकता के अनुसार पार्किंग बनाने के लिए सर्वे किया जाएगा। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, प्रमुख चौराहों, बाजारों और अन्य स्थानों पर कहां पार्किंग बनाई जा सकती है, इसका सर्वे कर जगह चिन्हित की जाएगी।

ट्रैफिक मॉडल

प्राइमरी व सेकंडरी सर्वे का डाटा लेकर ट्रैफिक मॉडल तैयार किया जाएगा

मनपा के अधिकारियों के मुताबिक दो तरह से सर्वे होगा- एक प्राइमरी और दूसरा सेकंडरी सर्वे। दोनों सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर डाटा लेकर ट्रैफिक मॉडल तैयार किया जाएगा। सीएमपी-2046 के तैयार होने से मौजूदा मोबिलिटी पैटर्न और कनेक्टिविटी में सुधार किए जाएंगे। साथ ही इसके माध्यम से सड़क नेटवर्क विस्तार, रोड इंजीनियरिंग में बदलाव और नए जंक्शन डिजाइन से आरओयू, आरओबी के विकल्पों पर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इससे मेट्रो, बीआरटीएस, सीटीबस जैसी मौजूदा और भविष्य की सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को मल्टी मॉडल एकीकरण के तहत पूरी तरह से एकीकृत किया जा सकेगा। नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट सिस्टम यानी पैदल यात्रियों, रिक्शा, साइकिल परिवहन की सुरक्षा में सुधार हो सकेगा। पूरे शहर के लिए अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक योजना और कार्यान्वयन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर काम किया जा सकेगा।